विजय बघेल
संसद सदस्य
(लोकसभा) दुर्ग, छत्तीसगढ़

: +91 8770360478
+91 9425561150

: @vijaybaghelcg

प.स.एमपी(लो.स)दुर्ग(छ.ग)/वीआईपी/डीएल/109/नवंबर/2024

28 नवम्बर, 2024

प्रति,

श्रीमान के. राममोहन नायडू,
माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री,
भारत सरकार,
राजीव गांधी भवन,
नई दिल्ली

विषय: भिलाई स्थित "नंदिनी एयरपोर्ट" को पुनः चालू करने और विकसित करने हेतु अनुरोध।

आदरणीय मंत्री जी,

सादर निवेदन है कि मेरे संसदीय क्षेत्र भिलाई के अंतर्गत स्थित "नंदिनी एयरपोर्ट" (जिसे भिलाई एयरपोर्ट भी कहा जाता है), जो भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के स्वामित्व में है, वर्तमान में बंद स्थिति में है। यह एयरपोर्ट मूलतः भिलाई स्टील प्लांट के निजी उपयोग हेतु विकसित किया गया था। परंतु 1998 में हुई एक विमान दुर्घटना के बाद से इसे बंद कर दिया गया और वर्तमान में इसका बुनियादी ढाँचा जर्जर स्थिति में है।

एयरपोर्ट की मौजूदा स्थिति

1. रनवे (4/22): लंबाई: 1189 मीटर, चौड़ाई: 29 मीटर
वर्तमान में छोटे विमानों के लिए उपयुक्त।

2. स्थिति:

एयरपोर्ट का बुनियादी ढाँचा, जैसे रनवे और हैंगर, जर्जर हो चुका है।
एयरपोर्ट के आसपास सेल के स्वामित्व वाली सैकड़ों एकड़ खाली भूमि इसके विस्तार के लिए उपयोगी है।

3. आवश्यक कार्य:

रनवे को 4C श्रेणी में अपग्रेड करना।
यात्री टर्मिनल और कार्गो टर्मिनल का निर्माण।
आधुनिक नेविगेशन और सुरक्षा उपकरणों की स्थापना।

भिलाई क्षेत्र के विकास में एयरपोर्ट की भूमिका

1. औद्योगिक और आर्थिक महत्व:

भिलाई में स्थित भिलाई स्टील प्लांट (BSP) भारतीय रेलवे को रेल पटरी आपूर्ति करने वाला एकमात्र संयंत्र है।
क्षेत्र में 3 प्रमुख सीमेंट प्लांट और सैकड़ों छोटे एवं मध्यम उद्योग हैं, जिनके लिए हवाई परिवहन बेहद उपयोगी सिद्ध होगा।
हवाई अड्डा औद्योगिक उत्पादों की तेजी से आपूर्ति और व्यापार को बढ़ावा देगा।

कार्यालयः 124, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली–110001, 011-23092430, 91-7000431977 (PS)
ई–मेल vijay.baghel@sansad.nic.in वेबसाईट www.vijaybaghel.in

विजय बघेल
संसद सदस्य
(लोकसभा) दुर्ग, छत्तीसगढ़

सत्यमेव जयते

: +91 8770360478
+91 9425561150
: @vijaybaghelcg

2. शैक्षिक और शहरी केंद्र:
भिलाई में स्थित IIT भिलाई, 2 मेडिकल कॉलेज, 10 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज और दर्जनों अन्य शैक्षिक संस्थानों में पूरे भारत से हजारों छात्र आते हैं।
भिलाई-दुर्ग शहरी क्षेत्र की जनसंख्या 12 लाख (2021 के अनुमान) है।

3. प्रभावित क्षेत्र की जनसंख्या और लाभ:
दुर्ग जिला (शहरी और ग्रामीण): लगभग 19 लाख।
राजनांदगांव जिला: लगभग 16 लाख।
बेमेतरा जिला: लगभग 9 लाख।
कबीरधाम (कवर्धा) जिला: लगभग 9 लाख, कुल प्रभावित क्षेत्र 36,000 वर्ग किलोमीटर (दुर्ग, भिलाई और आसपास के जिलों का कुल क्षेत्रफल) और कुल प्रभावित जनसंख्या: 53 लाख से अधिक है।

4. पर्यटन और सांस्कृतिक विकास:
एयरपोर्ट चालू होने से आसपास के पर्यटन स्थल जैसे डोंगरगढ़ बम्लेश्वरी मंदिर, सिरपुर के पुरातात्विक स्थल, कबीरधाम का भोरमदेव मंदिर और गंगरेल बांध अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।
अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों को प्रोत्साहन मिलेगा।

5. रोजगार और क्षेत्रीय विकास:
हवाई अड्डे के विकास से आईटी और स्टार्टअप्स के लिए अवसर बढ़ेंगे।
"मेक इन इंडिया" और "UDAN योजना" जैसी सरकारी पहलों को गति मिलेगी।
रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

6. आपातकालीन सेवाएँ:
एयरपोर्ट चालू होने से एयर एंबुलेंस और आपदा प्रबंधन जैसे आपातकालीन सेवाओं में तेजी आएगी।

आपसे विनम्र निवेदन है कि "भिलाई एयरपोर्ट" को सेल से अधिग्रहित कर इसे UDAN योजना के तहत 4C श्रेणी में विकसित किया जाए। इस कदम से न केवल भिलाई, बल्कि दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, कबीरधाम और अन्य आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को भी लाभ मिलेगा।

आपकी सहानुभूतिपूर्ण और त्वरित कार्रवाई क्षेत्र के समग्र विकास में सहायक होगी।

भवदीय,

(विजय बघेल)

कार्यालयः 124, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली–110001, 011-23092430, 91-7000431977 (PS)
ई–मेल vijay.baghel@sansad.nic.in वेबसाईट www.vijaybaghel.in